यह प्रश्न-पत्र एवं उत्तर पुस्तिका संयुक्त है।

जय गुरु नाना **जय महावीर** **जय गुरु राम**

श्री साधुमार्गी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड, बीकानेर

जैन संस्कार पाठ्यक्रम परीक्षा–2024

समय : 3 घण्टे
12:30 से 3:30 बजे तक

प्रश्न–उत्तर पत्र भाग – 9

अंक 97+3–100

नाम..... पिता/पति का नाम.....

शहर का नाम..... जन्मतिथि..... मोबाइल..... रोल नं .....

नोट:-सभी प्रश्नों के उत्तर दिये गये निर्देशों के अनुसार, निर्धारित स्थान पर, इसी प्रश्न पत्र में लिखें। उत्तर पुस्तिका जाँचने पर यदि यह पुष्टि होती है कि परीक्षार्थी ने दूसरे का सहयोग लिया है अथवा एकाधिक पुस्तिकाओं के उत्तर समान हैं तो उसे नकल किया हुआ मानकर परिणाम निरस्त कर दिया जावेगा। केन्द्र अधीक्षक उपरोक्त प्रश्नोत्तर पुस्तिका परीक्षा समाप्ति के अगले दिन श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ, समता भवन, आचार्य श्री नानेश मार्ग, नोखा रोड, गंगाशहर, बीकानेर-334401 (राज.) के पते पर भिजवावें।

पेपर 97 अंक एवं 3 अंक सामायिक के हैं। जैसे :- 3 सामायिक करने पर 3 अंक दिए जाएगे और 2 करने पर 2 अंक इसी क्रम में सामायिक न करने पर 3 अंक काटे जाएंगे। (परीक्षा दिनांक 15.09.2024)

1. आपने कितनी सामायिक की है 1,2,3 कॉलम में लिखें। ¼ ½

प्रश्न–1. नीचे लिखी गाथाओं को पूरा करो। 18

1. चरे पयाइं .....
.....मलावधंसी।
2. जे संखया .....
.....जाव सरीर भेए।
3. गुणाण मासओ .....
.....भवे।
4. सामाइत्थ .....
.....संपराय च।
5. चन्देसु .....
.....मिल गया।
6. तहियाणं .....
.....वियाहियं।

7. शीत पडे .....

.....ध्यान लगाया।

8. घट रस भोजन .....

.....ही आहार।

9. वो निर्मोही .....

.....मिल गया।

प्रश्न–2. गाथाओं का अर्थ लिखिए– **18**

1. वित्तेण ताणं ण लभे पमत्ते, इमाम्मि लोए अदुवा परत्था।
दीवप्पणट्ठे व अणतमोहे, नेयाउयं दट्ठुमदट्ठुमेव।।

.....

.....

2. खिप्पं न सक्केइ विवेकमेउं, तम्हा समुट्ठाय पहाय कामे।
समेच्चलोयं समया महेसी, आयाणु–रक्खी चरेडप्पमतो।।

.....

.....

3. गइ–लक्खणो 3 धम्मो, अहम्मो ठाण–लक्खणो।
भायणं सव्व–दव्वाणं, तहं ओगाह–लक्खणं।

.....

.....

4. तेणे जहा संधिमुहे गहिए, सकम्मुणा किच्चइ पावकारी।
एवं पया। पेच्चइहं च लोए, कडाण कम्माण न मुक्ख अत्थि।।

.....

.....

5. जो जिणदिऔ भावे, चउव्विहे सद्दहाइ सयमेव।
एमेव नडभह त्ति य, निसग्ग–रूइत्ति नायव्वो।।

.....

.....

6. नत्थि चरित्तं सम्मत्तविहूणं, दंसणे 3 भइयव्वं।
सम्मत्त–चरित्ताइं, जुगवं पुव्वं व सम्मत्तं।।

.....

.....

प्रश्न–3. नीचे लिखे पदों के चरण बताइये– कोई 3 **3**

1. सो होइ अभिगमरूई

.....

2. जं किंची पासं इह मन्नमाणो

.....

3. दंसणेण य सद्दहे

.....

4. धोरा मुहुत्ता अवलं सरीरं

.....

प्रश्न–4. शब्दार्थ लिखो– **3**

1. पासं .....
2. किच्चइ .....
3. अमयं .....
4. परज्झा .....
5. विणएज्ज .....
6. कुदंसण .....

प्रश्न–5. नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए– **24**

1. वैक्रिय शरीर किसे कहते है ? और ये किन जीवों के होता है?

.....

.....

2. वर्तमान में कौनसा संहनन होता है? नाम बताते हुए उसको परिभाषित कीजिए।

.....

.....

3. केवली समुद्घात किसे कहते है?

.....

.....

4. असंज्ञी, तिर्यंच पंचेन्द्रिय काल करके नैरयिक में जाता है तो उसको विभंग ज्ञान क्यों नहीं होता है?

.....

.....

5. अवधि ज्ञान को स्पष्ट कीजिये।

.....

.....

6. ब्रह्मचर्य की पांचवी वाउ लिखिये।

.....

.....

7. 18 प्रकार का ब्रह्मचर्य स्पष्ट कीजिये।

.....

.....

8. राजा हरिशचन्द्र के विरूद्ध विश्वामित्र ने षड्यंत्र कैसे रचा?

.....

.....

9. बुद्धदास सुभद्रा को चम्पानगरी ले के आया उसके बाद क्या हुआ?

.....

.....

10. गौतम भाव-विभोर क्यों हो गये।

.....

.....

11. पांचवे आरे के 5 लक्षण लिखो।

.....

.....

12. पल्योपन किसे कहते है?

.....

.....

प्रश्न–6. सही तथा गलत बताइये– **10**

1. म.सा. हमारे यहां गोचरी में रोज पधारना। ( )
2. शिष्य रत्नाधिक के आगे बैठे तो आशातना लगती है? ( )
3. आठ अर्धयव का एक उब्सेध अंगुल होता है। ( )
4. क्षेत्राधिष्ठित देव युगलिक के मृतक शरीर को लवण समुंद्र में डालते है। ( )
5. इन्द्रभूति को आश्चर्य हुआ तो आवेश आ गया। ( )
6. सुभद्रा पश्चिम के हाट पर पहुंची। ( )
7. महारानी तारा ने अकेले ही दीक्षा ग्रहण की। ( )
8. योग संग्रह के द्वारा मोक्ष की साधना सम्पन्न होती है। ( )
9. गच्छ में फूट डालना असमाधि के स्थान है। ( )
10. आगति यानि मरने के बाद जिस गति में जाकर उत्पन्न होता है। ( )

प्रश्न–7. एक शब्द में उत्तर दीजिये– **10**

1. ''म.सा. रोटी खा रहे है'' के स्थान पर क्या होना चाहिए। .....
2. अप्काय प्रतिसमय कितनी उत्पन्न होती है। .....
3. वाणव्यंतर की जघन्य स्थिति कितनी होती है? .....
4. धार खण्डित हुये बिना जितना पात्र में पड़े उसे क्या कहते है? .....
5. तीर्थंकर के अवर्जवार बोलना क्या है? .....
6. दान के अनुपात में क्या होना आवश्यक है? .....
7. धर्म कार्य में किसका विलम्ब नहीं करना चाहिए। .....
8. भूले को सत्पथ किसने दर्शाया। .....
9. धर्म को महल किसकी नींव पर खड़ा है? .....
10. मान छोड़कर ज्ञान किसने पाया? .....

प्रश्न–8. खाली स्थान भरिए– **11**

1. .....का नाम मेरे घर में लिया तो खबरदार है।
2. गौतम से पूर्व .....प्रभु का शिष्य बना था।
3. .....धर्म की रक्षा के लिए हमने राज्य को त्याग दिया।
4. धन दौलत के नष्ट होने का भय .....है।
5. बिना किसी प्रयोजन से होने वाली जीव हिंसा .....है।
6. .....धर्मों का बोध साकार उपयोग है।
7. आकृति को .....कहते है।

8. पापी से पुनीत .....बना।

9. .....वृक्ष पात्र आदि देने वाले है।

10. चार ..... का एक योजन होता है।

11. आपकी .....कितनी श्रेष्ठ है।